भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 466

जिसका उत्तर बृहस्पतिवार 7 फरवरी, 2019 को दिया जाना है

मन्नावरम में एन.टी.पी.सी-बी.एच.ई.एल पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड

466. श्री वि. विजयसाई रेड्डीः

क्या भारी उदयोग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा आन्ध्र प्रदेश में मन्नावरम मं एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एनबीपीपीएल) की आधार शिला कब रखी गई थी;

(ख) क्या यह सच है कि पहले चरण में 6,000 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने की अपेक्षा थी;

(ग) यदि हां, तो इस परियोजना में अब तक केवल 100 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने के क्या कारण हैं;

(घ) वर्ष 2015 में तय लक्ष्य के अनुसार संयंत्र में वाणिज्यिक रूप से उत्पादन शुरू नहीं करने के क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार को इस आशय की कोई गोपनीय रिपोर्ट भेजी गई है कि मन्नावरम इस परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं है और इसे गुजरात में स्थानांतरित करने की सलाह दी गई है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) एनटीपीसी-बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल) के विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला 1 सितम्बर, 2010 को आन्ध्र प्रदेश के चितूर जिले के मन्नावरम में रखी गई थी।

(ख) और (ग): एनबीपीपीएल ने अप्रैल, 2010 में ₹6000 करोड़ के परिकल्पित निवेश से एक व्यापार योजना तैयार की थी, जिसमें दो चरण हैं जो इस प्रकार हैं-

चरण-I : ईपीसी (इंजीनियरिंग, अधिप्राप्ति और निर्माण) तथा कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) और राख हैंडलिंग प्लान्ट (एएमपी) के लिए विनिर्माण सुविधाएं : ₹1200 करोड़;

चरण-II : बॉयलर, टर्बाइन एवं जनरेटर (बीटीजी) के लिए विनिर्माण सुविधाएं : ₹4,800 करोड़ ।

तदुपरान्त, एनबीपीपीएल बोर्ड ने मार्च, 2011 में व्यापार परिदृश्य की समीक्षा की और पाया कि अंतरिम अवधि में भारत सरकार में संयुक्त उद्यम कम्पनियों के पृथक निर्माण के जरिए कई अन्य कम्पनियां बीटीजी उपकरणों के विनिर्माण के क्षेत्र में पहले ही घुस चुकी हैं। इसलिए केवल चरण-I पर ध्यान केन्द्रित करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, घरेलू पॉवर सेक्टर ने देखा कि 2011-

12 से निवेश/आर्डर मिलने में गिरावट आई है। उसके बाद एनबीपीपीएल ने फेक्ट्रिंग लागत के सुलाभों सहित निवेश पर फिर से काम किया तथा जुलाई 2015 की व्यवहार्यता रिपोर्ट के प्रारुप में चरण-। के लिए ₹363.94 करोड़ के निवेश का अनुमान लगाया।

एनबीपीपीएल द्वारा 31.12.2018 तक लगभग ₹130 करोड़ का निवेश किया गया है, जिसके लिए इसकी दो प्रवर्तक कम्पनियों द्वारा इक्टिवटी के रूप में ₹100 करोड़ का अंशदान दिया गया है (अर्थात एनटीपीसी लिमिटेड और बीएचईएल द्वारा ₹50-50 करोड़)

(घ) मन्नावरम स्थित एनबीपीपीएल की विनिर्माण कंपनी ने मई, 2015 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया था।

(ङ) वर्तमान में, एनबीपीपीएल और मन्नावरम (आन्ध्र प्रदेश) में इसकी संस्थापित कंपनियों को गुजरात में स्थानान्तरित करने के संबंध में न तो कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और न ही कोई रिपोर्ट उपलब्ध है।

(च) उपर्युक्त (ङ) को देखते हुए लागू नहीं।

*****